माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा लेखाशास्त्र कक्षा-12 (भाग-1) की उपलब्ध पाठ्यपुस्तक पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है। अतः यह संजीव बुक्स भी पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित प्रकाशित की गई है।

नं. 1

संजीव®

बुक्स

लेखाशास्त्र-XII

(भाग-1)

(कक्षा 12 के वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2024 का प्रश्न-पत्र
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2025

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 400/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 400.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

  *****

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय–सूची

1. अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन
(Accounting for Not-for-Profit Organisation) 1-86
2. साझेदारी लेखांकन—आधारभूत अवधारणाएँ
(Accounting for Partnership—Basic Concepts) 87-163
3. साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश
(Reconstitution of a Partnership Firm :
Admission of a Partner) 164-290
4. साझेदारी फर्म का पुनर्गठन—साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु
(Reconstitution of a Partnership Firm :
Retirement/Death of a Partner) 291-395
5. साझेदारी फर्म का विघटन
(Dissolution of Partnership Firm) 396-484

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

लेखाशास्त्र
(ACCOUNTANCY)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।

खण्ड-अ (SECTION-A)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न (i से xv) [Multiple Choice Questions (i to xv)] :

(i) निम्न में से कौनसी एक मद लाभ-हानि विनियोग (नियोजन) खाते से सम्बन्धित नहीं है? [1]
(अ) साझेदारों की पूँजी पर ब्याज (ब) साझेदार को देय वेतन
(स) साझेदारों के ऋणों पर ब्याज (द) साझेदारों के आहरण पर ब्याज
Which one of the following items is not related to Profit and Loss Appropriation A/c?
(A) Interest on Partners Capital (B) Salary Payable to a Partner
(C) Interest on Partners Loan (Debt) (D) Interest on Partners Drawings

(ii) संगीता और सुमन एक फर्म में 5/8 : 3/8 में लाभ-हानि बाँटती हुई साझीदार हैं, वे 1/8 हिस्से के लिए अंशु को प्रवेश देती हैं, जिसे वह दोनों से बराबर अनुपात में प्राप्त करता है। त्याग का अनुपात होगा— [1]
(अ) 5 : 3 (ब) 1 : 1 (स) 3 : 5 (द) 3 : 1
Sangeeta and Suman are partners in a firm sharing Profit and Losses in the ratio of 5/8 : 3/8. They admit Anshu for 1/8 share in profits, which he receives from both of them in equal proportion. The sacrifice ratio will be :
(A) 5 : 3 (B) 1 : 1 (C) 3 : 5 (D) 3 : 1

(iii) आशा, सुमित्रा और सोनिया एक फर्म में 2/8, 1/2 और 3/8 में लाभ बाँटती हुई साझीदार हैं। सोनिया फर्म से अवकाश ग्रहण करती है, अधिलाभ (फायदे) का अनुपात क्या होगा? [1]
(अ) 2 : 1 (ब) 1 : 2 (स) 1 : 3 (द) 2 : 3
Asha, Sumitra and Sonia are partners in a firm sharing profit in the ratio of 2/8, 1/2 and 3/8. Sonia retires from the firm. What will be the Gaining ratio?
(A) 2 : 1 (B) 1 : 2 (C) 1 : 3 (D) 2 : 3

(iv) अधिलाभ (फायदे) के अनुपात की गणना की जाती है— [1]
(अ) साझेदार की मृत्यु पर (ब) साझेदार के प्रवेश पर
(स) साझेदार की सेवानिवृत्ति पर (द) (अ) व (स) दोनों
The Gaining ratio is calculated :
(A) On Death of a partner (B) On Admission of a partner
(C) On Retirement of a partner (D) Both (A) and (C)

(v) फर्म के समापन (विघटन) पर कौनसा खाता नहीं खोला जाता है? [1]
(अ) वसूली खाता (ब) बैंक खाता (स) पुनर्मूल्यांकन खाता (द) साझेदारों के पूँजी खाते
Which account is not opened on dissolution of the firm?
(A) Realisation Account (B) Bank Account
(C) Revaluation Account (D) Partners Capital Account

(vi) यथानुपात (प्रो-राटा) आबंटन निम्नलिखित के मामले में लागू होता है— [1]
(अ) अभि-अभिदान (ब) न्यूनतम अभिदान (स) न्यून अभिदान (द) सम-अभिदान
Pro-rata allotment applies in the case of :
(A) Over-subscription (B) Minimum-subscription
(C) Under-subscription (D) Equal-subscription

(vii) संजीव लिमिटेड ने भानू लिमिटेड से एक मशीनरी ₹ 1,98,000 में खरीदी। इसके पूर्ण भुगतान में ₹ 100 वाले समता अंश 10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किए, अंशों की संख्या होगी— [1]
(अ) 1980 अंश (ब) 2200 अंश (स) 2000 अंश (द) 1800 अंश
Sanjeev Limited purchased a machinery from Bhanu Limited for ₹ 1,98,000. Its full payment is done by issuing equity share of ₹ 100 each, issued at a premium of 10%. The number of shares will be :
(A) 1980 shares (B) 2200 shares (C) 2000 shares (D) 1800 shares

(viii) ऋणपत्र के बदले प्रयुक्त शब्द है— [1]
(अ) समता अंश (ब) पूर्वाधिकार अंश (स) बांड्स (बंधपत्र) (द) (अ) व (ब) दोनों
The word used in place of Debenture is :
(A) Equity share (B) Preference share
(C) Bonds (D) Both (A) and (B)

(ix) सम-मूल्य पर जारी ऋणपत्रों का प्रीमियम पर शोधन (मोचन) किया जाता है, तो देय प्रीमियम की राशि को हस्तान्तरित किया जाता है— [1]
(अ) ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा खाते में (ब) ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि खाते में
(स) सामान्य संचय खाते में (द) प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते में
Debentures issued at par are redeemable at premium, the amount of premium payable is transferred—
(A) In discount on issue of debentures A/c (B) In Loss on issue of debentures A/c
(C) In General Reserve A/c (D) In securities premium Reserve A/c

(x) सूरतगढ़ लिमिटेड ने भीलवाड़ा लिमिटेड से ₹ 1,80,000 में एक मशीन खरीदी, जिसके पूर्ण भुगतान के बदले ₹ 100 वाले 9% ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किए। ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा खाते में कितनी राशि नामे (डेबिट) की जायेगी? [1]
(अ) ₹ 19,000 (ब) ₹ 20,000 (स) ₹ 28,000 (द) ₹ 22,000
Suratgarh Limited purchased a machinery from Bhilwara Limited for ₹ 1,80,000 and in lieu of full payment, issued ₹ 100; 9% debentures at 10% discount. How much amount will be debited to the discount account on the issue of debentures?
(A) ₹ 19,000 (B) ₹ 20,000 (C) ₹ 28,000 (D) ₹ 22,000

(xi) वे दायित्व, जिनका 12 माह के भीतर निपटान किया जाता है, कहलाते हैं— [1]
(अ) चालू सम्पत्तियाँ (ब) स्थगित-कर दायित्व
(स) गैर-चालू दायित्व (द) चालू दायित्व
Those liabilities which are settled within 12 months, are called—
(A) Current Assets (B) Deferred Tax Liability
(C) Non-current Liabilities (D) Current Liabilities

(xii) एक आदर्श ऋण-समता अनुपात सुरक्षित माना जाता है— [1]
(अ) 1 : 1 (ब) 2 : 1 (स) 0.5 : 1 (द) 1 : 2
An ideal debt-Equity ratio is considered safe—
(A) 1 : 1 (B) 2 : 1 (C) 0.5 : 1 (D) 1 : 2

(xiii) निम्नलिखित में से कौनसा एक रोकड़-प्रवाह विवरण का क्रियाकलाप नहीं है? [1]
(अ) कोष प्रवाह (ब) परिचालन (स) वित्तीय (द) निवेश
Which one of the following is not a cash-flow statement Activity?
(A) Funds-flow (B) Operating (C) Financing (D) Investing

(xiv) पवन लिमिटेड की निम्न सूचनाएँ हैं-

मदें	1.4.2023	31.3.2024
कराधान के लिए प्रावधान	₹ 10,000	₹ 15,000

चालू वर्ष के दौरान कराधान के लिए ₹ 12,000 का प्रावधान किया गया।
परिचालन क्रियाकलाप से बहिर्वाह की राशि होगी— [1]
(अ) ₹ 10,000 (ब) ₹ 15,000 (स) ₹ 7,000 (द) ₹ 17,000

Following informations is of Pawan Limited—

Items	1.4.2023	31.3.2024
Provision for Taxations	₹ 10,000	₹ 15,000

During the year provision for Taxation is made of ₹ 12,000. The amount of cash out flow from operating Activities will be—
(A) ₹ 10,000 (B) ₹ 15,000 (C) ₹ 7,000 (D) ₹ 17,000

(xv) निम्न में से कौनसी एक मद गैर-रोकड़ी मद है? [1]
(अ) हस्तस्थ रोकड़ (ब) बैंक जमा (स) मूल्य ह्रास (द) विपणन योग्य प्रतिभूति
Which one of the following item is non-cash item?
(A) Cash in hand (B) Bank deposit (C) Depreciation (D) Marketable securities

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (i से vii) [Fill in the blanks (i to vii)] :

(i) संचित लाभों तथा संचयों को पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में ..... अनुपात में वितरित किया जाता है। (त्याग/पुराने) [1]
Accumulated Profits and Reserves are distributed among old partners capital account in ..... ratio. (sacrifice/old)

(ii) विद्यमान साझेदार जिस अनुपात में सेवानिवृत्त साझेदार के भाग का अधिग्रहण करेंगे ..... का अनुपात कहलाता है। (अधिलाभ (फायदे)/नया) [1]
The ratio in which the continuing partners will acquire the share from the retiring partner is called ..... ratio. (Gaining/New)

(iii) एकल व्यक्ति कम्पनी की प्रदत्त पूँजी ₹ ..... से अधिक नहीं हो सकती है। (5 लाख/50 लाख) [1]
One person company's paid up Capital can not be more than ₹ ..... . (5 Lakh/50 Lakh)

(iv) एक कम्पनी ..... समता अंशों को बट्टे पर निर्गमन कर सकती है। (सामान्य/स्वेद (स्वेट) [1]
A company can issue ..... equity shares at discount. (General/Sweat)

(v) ..... ऋणपत्र, वे ऋणपत्र हैं, जो सुपुर्दगी (डिलीवरी) के द्वारा हस्तान्तरित किए जा सकते हैं। (वाहक/पंजीकृत) [1]
..... debentures, are the debentures which can be transferred by way of delivery. (Bearer/Registered)

(vi) [1]

मद	**मुख्य शीर्षक**	**उप-शीर्षक**
प्रतिभूति प्रीमियम संचय	.....	संचय व आधिक्य (चालू दायित्व/अंशधारी कोष)
Item	**Major-Head**	**Sub-Head**
Securities premium Reserve	.....	Res. and surplus (Current Liabilities/Shareholder's fund)

(vii) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 2013 की ..... के अनुसार तुलन-पत्र बनाया जाता है। (अनुसूची-VI/अनुसूची-III) [1]
According to Indian Companies Act, 2013, Balance-Sheet is prepare as per ..... (Schedule-VI/Schedule-III)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (i से x) [Very Short Answer Type Questions (i to x)] :

(i) साझेदारों के मध्य लिखित समझौता कहलाता है? [1]
A written agreements between partners, is called?

(ii) भावेश और राजू एक फर्म में 3 : 2 में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। वे सोनू को लाभों में हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं, वे भविष्य में लाभों को 2 : 2 : 1 में बाँटने का निर्णय लेते हैं, त्याग का अनुपात ज्ञात कीजिए। [1]
Bhavesh and Raju are partners in a firm sharing profit in the ratio of 3 : 2. They admit to Sonu for share in profits. They decided to divide the future profits in 2 : 2 : 1 ratio. Calculate the sacrifice ratio.

(iii) एक्स, वाई और जेड 2 : 3 : 4 में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं, जेड फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। पुनर्मूल्यांकन पर हानि ₹ 81,000 है। जेड का पुनर्मूल्यांकन की हानि में हिस्सा ज्ञात कीजिए। [1]
X, Y and Z are partners sharing profit in the ratio of 2 : 3 : 4. Z retires from the firm. Loss on revaluation is ₹ 81,000. Calculate the Z's share in loss on revaluation.

(iv) साझेदार की मृत्यु की दशा में, पुस्तकों में विद्यमान सामान्य संचय को किस अनुपात में वितरित किया जाता है? [1]
In case of death of a partner, the General Reserve existing in books is distributed, in which ratio?

(v) प्रीति लिमिटेड ने ₹ 10 वाले 10,000 समता अंश ₹ 1 प्रति अंश प्रीमियम पर आवेदन पत्र आमंत्रित किए। ₹ 4 प्रति अंश की दर से आवेदन की कुल राशि ₹ 45,600 प्राप्त हुई। प्राप्त आवेदनों की संख्या बताइए। [1]
Preeti limited had invited application for ₹ 10,000 equity share of ₹ 10 each at a premium of ₹ 1 each. Total application money received at ₹ 4 per share of ₹ 45,600. State the numbers of application that are received.

(vi) यदि 12,000 अंशों के आवेदकों को यथानुपात (प्रो-राटा) आधार पर 8,000 अंश आबंटित किए गए, तो जिस अंशधारी ने 1,500 अंशों के लिए आवेदन किए, उसे कितने अंश आबंटित किए होंगे? [1]
If applicants for 12,000 shares were allotted 8,000 shares on pro-rata basis, how many share were allotted to a shareholder who had applied for 1,500 shares?

(vii) अवधि/शोधन के दृष्टिकोण से ऋणपत्रों के प्रकार बताइए। [1]
State the types of debentures on the basis of period/redemption.

(viii) [1]

चिट्ठे की मद	मुख्य-शीर्षक	उप-शीर्षक
ऋणपत्र	?	?
Item in Balance-Sheet	Major-Head	Sub-Head
Debentures	?	?

(ix) ऋणपत्रों के समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन की स्थिति में, यदि प्रविष्टि की जाती है, तो कौनसा खाता क्रेडिट (जमा) किया जाएगा? [1]
In the case of issue of debentures as collateral securities, if entry is passed, which account will be credited?

(x) वित्तीय-विवरणों के किन्हीं दो उपयोगकर्ता के नाम लिखिए। [1]
Write the name of any two users of Financial-Statements.

खण्ड-ब (SECTION-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) Short Answer Type Questions (Word Limit 50) :

4. रानू एक फर्म में साझेदार है, फर्म से प्रत्येक माह के अन्तिम दिन ₹ 5,000 का आहरण करती है। ब्याज 12% वार्षिक दर से वसूल किया जाता है, आहरण पर ब्याज की राशि की गणना कीजिए। [2]
Ranu is a partner in a firm. She withdrew ₹ 5,000 on the last day of every month. The interest is charged @ 12% per annum. Calculate the interest on drawings.

5. एक फर्म में विनियोजित पूँजी ₹ 4,00,000 है, लाभ की सामान्य दर 10% है। फर्म के औसत लाभ ₹ 50,000 (₹ 5,000 असामान्य हानि को नहीं घटाया गया) है। अधिलाभ के तीन गुने के बराबर ख्याति की राशि ज्ञात कीजिए। [2]
Invested capital is ₹ 4,00,000 in a firm. Normal rate of profit is 10% Average profit of the firm are ₹ 50,000 (Abnormal loss of ₹ 5,000 is not deducted). Calculate the value of goodwill at three times of the super profit.

6. कैलाश और प्रकाश क्रमशः ₹ 35,000 और ₹ 25,000 की पूँजी के साझेदार हैं, उन्होंने फर्म के लाभों में 1/3 हिस्से के साथ राम को नये साझेदार के रूप में प्रवेश दिया। राम अपने हिस्से की पूँजी ₹ 35,000 लाता है, फर्म की ख्याति की राशि ज्ञात कीजिए। [2]
Kailash and Prakash are partners with capital of ₹ 35,000 and ₹ 25,000 respectively. They admitted Ram as a new partner with 1/3rd share in firm's profit. Ram brings ₹ 35,000 as his share of capital. Calculate the value of firm's goodwill.

7. फायदे (अधिलाभ) के अनुपात का सूत्र क्या है, इसकी गणना कब की जाती है? [2]
What is the formula of Gaining ratio, when is it calculated?

8. बालमुकुन्द, विनीत और सुधांशु एक फर्म में 2 : 3 : 4 में लाभ बाँटते हुए साझेदार है। सुधांशु फर्म से अवकाश ग्रहण करता है, इसी तिथि को तुलन-पत्र (आर्थिक-चिट्ठा) ₹ 27,000 का सामान्य संचय दर्शा रहा है। सुधांशु के अवकाश ग्रहण पर आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दीजिए। [2]
Balmukund, Vineet and Sudhansu are partners in a firm, Sharing profits in the ratio of 2 : 3 : 4. Sudhansu retires from the firm. On this date, Balance-Sheet is showing General Reserve of ₹ 27,000. Pass necessary Journal Entry on retirement of Sudhansu.

9. शिव, नन्दू और मोहन एक फर्म में 3 : 3 : 2 में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं, शिव फर्म से अवकाश ग्रहण करता है तथा ख्याति का मूल्यांकन ₹ 56,000 पर किया गया। फर्म की पुस्तकों में बिना ख्याति खाता खोले समायोजन प्रविष्टि दीजिए। [2]
Shiv, Nandu and Mohan are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3 : 3 : 2. Shiv retires from the firm and the goodwill is valued at ₹ 56,000. Give adjustment entry in the books of firm without opening the goodwill Account.

10. फर्म के समापन (विघटन) के समय, एक गैर-अभिलिखित (पुस्तकों में न दर्ज) दायित्व ₹ 10,000 का भुगतान एक साझेदार द्वारा किया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टि दर्ज कीजिए। [2]
At the time of dissolution of the firm, unrecorded liability of ₹ 10,000 is paid by a partner. Record the necessary Journal Entry.

11. ''अधि-अभिदान'' और ''न्यून-अभिदान'' को परिभाषित कीजिए। [2]
Define "Over-Subscription" and "Under-Subscription".

12. एक कम्पनी ने 1 अप्रेल, 2023 को ₹ 100 वाले 5,000; 8% ऋणपत्र, 10 प्रतिशत बट्टे पर निर्गमित किए। प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते का शेष ₹ 45,000 है। ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे की राशि अपलिखित करने की आवश्यक प्रविष्टि दीजिए। [2]
On 1st April, 2023 a company issued 5,000; 8% debentures of a ₹ 100 each at a discount of 10%. The balance of securities premium Reserve is ₹ 45,000. Give necessary entry for writting-off the amount of discount on issues of debentures.

13. मधुसूदन लिमिटेड ने गोपाल लिमिटेड से ₹ 2,00,000 में एक प्लांट खरीदा। क्रय प्रतिफल की भुगतान की सहमति के हिसाब से ₹ 10,000 का चैक जारी किया गया तथा शेष बकाया राशि के लिए ₹ 100 प्रति ऋणपत्र से 9% ऋणपत्र 5% बट्टे पर जारी किए गए। जारी किए गए ऋणपत्रों की संख्या ज्ञात कीजिए। [2]
Madhusudan Limited purchased a plant from Gopal Limited for ₹ 2,00,000 and agreed to make the payment of purchase consideration by issuing cheque of ₹ 10,000 and for remaining due payment by issuing 9% debentures of ₹ 100 each at a discount of 5%. Calculate the number of debenture that were issued.

14. ''चालू परिसम्पत्तियाँ'' तथा ''चालू दायित्व'' का मूल्य ज्ञात कीजिए, यदि- [2]

स्कंध (रहतिया)	₹ 60,000
तरल सम्पत्तियाँ	₹ 2,40,000
तरलता अनुपात	= 2 : 1

Calculate the value of "Current Assets" and "Current Liabilities". If—

Stock (Inventory)	₹ 60,000
Liquid Assets	₹ 2,40,000
Quick Ratio	= 2 : 1

15. युवराज लिमिटेड ने परिसम्पत्तियों पर ₹ 26,000 का मूल्य-ह्रास प्रभारित (चार्ज) करने के पश्चात् ₹ 74,000 का लाभ अर्जित किया। [2]

अन्य सूचनाएँ :

आयकर भुगतान किया ₹ 20,000

परिचालन क्रियाओं द्वारा रोकड़-प्रवाह की गणना कीजिए।

Yuvraj Limited made a net profit ₹ 74,000 after charging the depreciation of ₹ 26,000 on Assets

Other informations :

Income Tax paid ₹ 20,000

Calculate the cash flow form operating activities.

खण्ड-स (SECTION-C)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : (शब्द सीमा 100 शब्द) Long Answer Type Questions : (Word Limit-100)

16. नन्दा और भंवर फर्म में साझेदार हैं, इनकी स्थिर पूँजी क्रमशः ₹ 3,00,000 और ₹ 4,00,000 थी। यदि पूँजी पर ब्याज व लाभ-हानि अनुपात पर साझेदारी संलेख मूक है और वर्ष का शुद्ध लाभ ₹ 55,000 है, तो लाभ-हानि विनियोग (नियोजन) खाता बनाइए। [3]

Nanda and Bhanwar are partners in a firm. Their fixed capitals were ₹ 3,00,000 and ₹ 4,00,000 respectively. If the partnership deed is silent as to the payment of interest on capital and profit and losses sharing ratio's, and net profit for the year is ₹ 55,000, prepare Profit and Loss Appropriation Account.

अथवा/OR

विनोद और कोमल एक फर्म में 2 : 3 में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं, इनकी स्थिर पूँजी क्रमशः ₹ 2,40,000 और ₹ 2,60,000 थी। 31 मार्च, 2024 को पुस्तकें बन्द करने के पश्चात् पाया कि उनको पूँजी पर 10% वार्षिक दर से ब्याज लगाना भूल गये। समायोजन प्रविष्टि दर्ज कीजिए। [3]

Vinod and Komal are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 2 : 3. Their fixed capitals were ₹ 2,40,000 and ₹ 2,60,000 respectively. On 31st March, 2024, after closing the books it was found that Interest on Capital @ 10% per annum was omitted. Record the Adjustment Entry.

17. फर्म के विघटन पर जर्नल प्रविष्टियाँ बनाइए, यदि- [3]

(i) एक गैर-अभिलिखित ₹ 5,000 का टाइपराइटर, एक साझेदार गणेश द्वारा लिया।

(ii) लेनदार ₹ 25,000 के थे, उन्होंने अपने पूर्ण भुगतान में ₹ 25,000 के मूल्य के देनदारों को स्वीकार किया।

(iii) वसूली व्यय ₹ 25,000 हुए।

Pass Journal Entries on the dissolution of a firm, if

(i) Unrecorded Typewriter of ₹ 5,000 is taken by a partner Ganesh.

(ii) Creditors were ₹ 25,000, they Accepted Debtors valued at ₹ 25,000 in full settlement of their claim.

(iii) Realisation expense amounted to ₹ 25,000.

अथवा/OR

सूची (अ) का सूची (ब) के साथ मिलान कीजिए— [3]

सूची (अ)—स्थिति		सूची (ब)—फर्म के विघटन की रीतियाँ
(i) सभी साझेदारों की सहमति पर।	(a)	अनिवार्य समापन
(ii) जब फर्म का व्यवसाय गैर-कानूनी (अवैध) हो जाए।	(b)	न्यायालय द्वारा विघटन
(iii) जब कोई साझेदार मानसिक सन्तुलन खो दे।	(c)	समझौते द्वारा विघटन

Match the List (A) with List (B)—

List (A)—Conditions	List (B)—Methods of Dissolution of a firm
(i) With the consent of the all partners	(a) Compulsory Dissolution
(ii) When the business of the firm becomes illegal.	(b) Dissolution by Court
(iii) When a partner becomes insance	(c) Dissolution by Agreement

18. निम्नलिखित सूचनाओं से ''विक्रय'' व ''सकल लाभ'' की राशि ज्ञात कीजिए— [3]

स्कंध आवर्त अनुपात = 6 गुना

औसत स्कंध = ₹ 80,000

विक्रय मूल्य, लागत मूल्य से 25% अधिक है।

Calculate the amount of "Sales" and "Gross Profit" from the following informations—

Stock Turnover Ratio = 6 times

Average Stock = ₹ 80,000

Selling Price is 25% excess on cost.

अथवा/OR

सूची (अ) का सूची (ब) के साथ मिलान कीजिए— [3]

सूची (अ)—लेखांकन अनुपात	सूची (ब)—वर्ग/श्रेणी
(i) चालू अनुपात	(a) लाभदायकता अनुपात
(ii) ब्याज आवरण अनुपात	(b) शोधन क्षमता अनुपात
(iii) परिचालन अनुपात	(c) तरलता अनुपात

Match the List (A) with List (B)—

List (A)—Accounting Ratio	List (B)—Category
(i) Current Ratio	(a) Profitability Ratio
(ii) Interest Coverage Ratio	(b) Solvency Ratio
(iii) Operating Ratio	(c) Liquidity Ratio

19. निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर ''वित्तीय-क्रियाओं'' से रोकड़-प्रवाह की गणना कीजिए— [3]

मदें	2023	2024
समता अंश पूँजी	₹ 6,00,000	₹ 7,50,000
8% ऋणपत्र	₹ 1,00,000	₹ 50,000

चालू वर्ष के दौरान समता अंशों के प्रारम्भिक शेष पर 20 प्रतिशत लाभांश व ऋणपत्रों के प्रारम्भिक शेष पर ब्याज का भुगतान किया गया।

Calculate the cash flow from "Financing-Activities" from the following informations—

Item	2023	2024
Equity Share Capital	₹ 6,00,000	₹ 7,50,000
8% Debentures	₹ 1,00,000	₹ 50,000

During the year 20% dividend is paid on opening balance of Equity shares and interest is paid on opening balance of debentures.

अथवा/OR

सूची (अ) का सूची (ब) के साथ मिलान कीजिए— [3]

सूची (अ)—व्यवहार	सूची (ब)—क्रियाकलाप का प्रकार
(i) ग्राहक को माल बेचा	(a) वित्तीय गतिविधि
(ii) ब्याज तथा लाभांश से प्राप्ति	(b) परिचालन गतिविधि
(iii) ऋणपत्रों का शोधन	(c) विनियोग गतिविधि

Match the List (A) with List (B)—

List (A)—Transactions	List (B)—Types of Activity
(i) Sale of goods to customer	(a) Financing Activity
(ii) Receipts from interest and dividend	(b) Operating Activity
(iii) Redemption of debentures	(c) Investing Activity

खण्ड-द (SECTION-D)

निबन्धात्मक प्रश्न (शब्द सीमा-200 शब्द) : Essay Type Questions (Word Limit-200) :

20. अविनाश और भावेश एक फर्म में 3 : 5 में लाभ-हानि बाँटते हुए साझेदार हैं, 31 मार्च, 2023 को इनका तुलन-पत्र (आर्थिक-चिट्ठा) निम्न था— [4]

दायित्व	₹	परिसम्पत्तियाँ		₹
लेनदार	4,00,000	बैंक		3,60,000
सामान्य संचय	3,00,000	देनदार	4,60,000	
पूँजी खाते :		(–) डूबत ऋणों के लिए		
अविनाश—5,00,000		प्रावधान	20,000	
भावेश—4,00,000	9,00,000			4,40,000
		प्लांट		8,00,000
	16,00,000			16,00,000

अन्य सूचनाएँ :

वे 1 अप्रेल, 2023 को "राहुल" को निम्न शर्तों के साथ लाभों में 1/3 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं :

(i) राहुल अपने हिस्से की पूँजी व ख्याति के लिए संयुक्त रूप से ₹ 4,80,000 रोकड़ लाता है।

(ii) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभ ₹ 1,20,000 के दो वर्षों के क्रय के बराबर किया गया।

"साझेदारों के पूँजी खाते" बनाइए।

Avinash and Bhavesh are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 5, their Balance-Sheet as at 31st March, 2023 was as follows—

Balance-Sheet

Liabilities	₹	Assets		₹
Creditors	4,00,000	Bank		3,60,000
General Reserve	3,00,000	Debtors	4,60,000	
Capital A/c's :		(–) Provision		
Avinash— 5,00,000		for bad debts	20,000	4,40,000
Bhavesh—4,00,000	9,00,000	Plant		8,00,000
	16,00,000			16,00,000

Other informations :

On 1st April, 2023 they admitted "Rahul" as new partner for 1/3rd share in profit on the following terms—

(i) Rahul will bring cash of ₹ 4,80,000 for his share of capital and goodwill Jointly.

(ii) Goodwill of the firm has been valued at 2 years purchase of the super profit of ₹ 1,20,000

Prepare "Partners Capital Account"?

अथवा/OR

नये साझेदार के प्रवेश पर— [4]

''सम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन'' से सम्बन्धित जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए—

(i) परिसम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि होने पर

(ii) दायित्वों के मूल्यों में कमी होने पर

(iii) गैर अभिलिखित दायित्वों के लिए

(iv) गैर अभिलिखित परिसम्पत्तियों के लिए

(v) पुनर्मूल्यांकन पर हानि को पूँजी खातों में हस्तान्तरण के लिए

Give Journal Entries related to "Revaluation of Assets and Liabilities", at the time of admission of a new partner—

(i) For increase in the value of an asset

(ii) For reduction in the value of liabilities

(iii) For unrecorded liabilities

(iv) For unrecorded Assets

(v) For transferring the loss on revaluation in partners Capital Account.

21. रंगोली लिमिटेड ने ₹ 10 वाले 10,000 समता अंशों के लिए 10% प्रीमियम पर आवेदन हेतु प्रविवरण जारी किया, राशियाँ इस प्रकार देय थी : [4]

आवेदन पर	₹ 3
बंटन पर	₹ 6 (प्रीमियम सहित)
प्रथम व अन्तिम माँग पर	₹ 2

9,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। प्रियंका जिसे 400 अंश बंटित किये, माँग राशि का बंटन के साथ भुगतान कर दिया। रंगोली लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए (केवल आवेदन व आबंटन के लिए)—

Rangoli Limited issued prospectus inviting applications for 10,000 Equity Share of ₹ 10 at 10% premium, amounts payable are as follows—

On Application	₹ 3
On Allotment	₹ 6 (Including premium)
On first and final call	₹ 2

Application were received for ₹ 9,000 Shares. Priyanka, who was allotted 400 shares paid call money with allotment. Pass necessary Journal Entries in the books of Rangoli Limited. (Only for Application and Allotment).

अथवा/OR

स्मिता लिमिटेड ने 500 समता अंश ₹ 100 प्रति अंश वाले का हरण किया, जिस पर ₹ 90 प्रति अंश माँगा गया था। इन अंशों पर ₹ 40 प्रति अंश प्रथम व अन्तिम माँग के बकाया थे, कम्पनी ने इन्हें ₹ 70 प्रति अंश पूर्ण-प्रदत्त पर पुनः निर्गमित कर दिये। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा ''अंश-हरण खाता'' बनाइए। [4]

Smita Limited forfeited 500 equity shares of ₹ 100 each on which ₹ 90 per share was called-up. There was a arrear of ₹ 40 each of first and final call on these shares. Company re-issued these shares at ₹ 70 per share as fully paid-up. Give necessary Journal Entries in the books of company and prepare "Share Forfeiture A/c".

22. राजवीर लिमिटेड की पुस्तकों में निम्न की आवश्यक प्रविष्टियाँ दर्ज कीजिए— [4]

(i) ₹ 100 प्रत्येक के 1,200; 9% ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित एवं 20% प्रीमियम पर शोधनीय है।

(ii) ₹ 1,000 प्रत्येक 150; 8% ऋणपत्र 10% बट्टे पर निर्गमित एवं 5% प्रीमियम पर शोधनीय है।

Record the necessary Journal Entries in the books of Rajveer Limited for the following—

(i) 1,200; 9% Debentures of ₹ 100 each are issued at par and redeemable at 20% premium.

(ii) 150; 8% Debenture of ₹ 1,000 each are issued at 10% discount and redeemable at 5% premium.

अथवा/OR

अन्नु लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक से ₹ 4,00,000 का ऋण लेती है और समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ₹ 100 प्रति ऋणपत्र की दर से 5,000; 9% ऋणपत्र निर्गमित करती है। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दर्ज कीजिए तथा आप इसे तुलन-पत्र (आर्थिक चिट्ठे) में कैसे दर्शायेंगे, यदि इनका पुस्तकों में लेखा किया जाता हो। [4]

Annu Limited took a loan of ₹ 4,00,000 from Punjab National Bank, and issued 5,000; 9% debentures of ₹ 100 each as a collateral security. Record the entries in the books of company and how will you show in Balance-Sheet, if it will be recorded in the books.

लेखाशास्त्र—कक्षा 12 (भाग 1)

1. अलाभकारी संस्थाओं के लिए लेखांकन
(Accounting for Not-for-Profit Organisation)

पाठ–सार

अलाभकारी संस्थाओं (Not-for-Profit Organisation) **का अर्थ**—अलाभकारी संस्थाओं से आशय ऐसे संस्थानों से है जिनका प्रयोग सामाजिक कल्याण के लिए होता है तथा जिनका निर्माण धर्मार्थ संस्थानों, जिनका उद्देश्य लाभ से प्रेरित नहीं होता, के रूप में किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य किसी विशिष्ट समूह या समस्त जनता को सेवाएँ प्रदान करना होता है।

अलाभकारी संस्थाओं के अभिलेखों का लेखांकन—अलाभकारी संस्थाओं के अधिकतर लेन–देन रोकड़ और बैंक के द्वारा किये जाते हैं अत: ये संस्थान प्राय: एक रोकड़ पुस्तक खाते हैं। आय, व्यय, परिसम्पत्तियों और दायित्वों के अभिलेखन हेतु एक लेखाबही रखते हैं। इसके अलावा एक स्टॉक रजिस्टर रखते हैं। इन संस्थाओं द्वारा कोई पूँजी खाता तैयार नहीं किया जाता बल्कि पूँजी निधि (Capital Fund) की गणना की जाती है।

अन्तिम खाते या वित्तीय विवरण (Final Accounts or Financial Statements)—अलाभकारी संस्थाओं को भी प्रत्येक वर्ष के अन्त में अन्तिम विवरण बनाना आवश्यक होता है। इन संस्थाओं के अन्तिम खातों में निम्न शामिल होते हैं—

(1) प्राप्ति एवं भुगतान खाता (Receipt and Payment A/c)
(2) आय और व्यय खाता (Income and Expenditure A/c)
(3) तुलन पत्र (Balance Sheet)।

(1) प्राप्ति एवं भुगतान खाता
(Receipts and Payments Account)

किसी वित्तीय वर्ष के अन्त में रोकड़ बही की सहायता से वर्ष के दौरान विभिन्न स्रोतों से प्राप्तियों व भुगतानों की मदों के आधार पर यह खाता बनाया जाता है। प्राप्तियों व भुगतानों की वर्ष के दौरान विभिन्न तिथियों की प्रविष्टियों को एकसाथ कर प्रत्येक मद के योग को इसमें दिखाया जाता है। जैसे वर्ष के दौरान विभिन्न तिथियों को 10 बार किराया चुकाया गया तो सभी राशियों का योग करके प्राप्ति व भुगतान खाते के भुगतान पक्ष में दिखाया जायेगा। अलाभकारी संस्थान वर्ष के प्रारम्भ से ही रोकड़ बही में आवश्यक स्तम्भ बनाकर प्राप्तियों व भुगतानों का मदानुसार विश्लेषण करती है। इस प्रकार की संस्थाएँ इन विश्लेषण स्तम्भों की सहायता से प्राप्ति व भुगतान खाता सुलभता से तैयार कर लेती हैं। यह एक स्मरणार्थ खाता है तथा दोहरा लेखापद्धति का अंग नहीं है।

प्राप्ति व भुगतान खाते की विशेषताएँ–

(1) यह रोकड़ पुस्तक का सारांश है। यह एक खाते के आकार में बनाया जाता है जिसके बायें पक्ष में प्राप्तियाँ (Receipts) व दाहिने पक्ष में भुगतान (Payments) दिखाये जाते हैं।

(2) यह एक वस्तुगत खाते (Real Account) की प्रकृति का है।

(3) निर्धारित अवधि के दौरान हुई समस्त प्राप्तियाँ व भुगतान दिखाये जाते हैं चाहे ये किसी भी अवधि से सम्बन्धित हों। अर्थात् बकाया, का कोई समायोजन नहीं होता है; बकाया आय, बकाया व्यय तथा किसी भी प्रकार की गैर रोकड़ मदें नहीं दिखाई जाती हैं, जैसे मूल्य ह्रास आदि।

(4) प्राप्तियाँ व भुगतान चाहे आयगत हों या पूँजीगत प्रकृति के हों, सभी को दिखाया जाता है।

(5) रोकड़ व बैंक व्यवहारों में कोई अन्तर नहीं किया जाता है अर्थात् दोनों व्यवहार दिखाये जाते हैं।

(6) इसके प्रारम्भ में प्रारम्भिक रोकड़ व बैंक शेष (अथवा बैंक अधिविकर्ष) तथा अन्त में अन्तिम रोकड़ व बैंक शेष दिखाये जाते हैं।

प्राप्ति व भुगतान खाते का प्रारूप
Receipts and Payments Account
for the year ending .....

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d :		By Balance b/d (Bank overdraft)*	×××
Cash in Hand	×××	By Wages and Salaries	×××
Cash at Bank*	×××	By Rent	×××
To Subscriptions	×××	By Rates and Taxes	×××
To General Donations	×××	By Insurance	×××
To Sale of newspaper/ periodicals/waste paper	×××	By Printing and Stationery	×××
		By Postage and courier	×××
To Sale of old sports materials	×××	By Advertisement	×××
To Interest on fixed deposits	×××	By Sundry expenses	×××
To Interest/Dividend on general investments	×××	By Telephone charges	×××
		By Entertainment expenses	×××
To Locker Rent	×××	By Audit fees	×××
To Sale of scraps	×××	By Honorarium	×××
To Proceeds from charity show	×××	By Repair and Renewals	×××
To Miscellaneous receipts	×××	By Upkeep of ground	×××
To Grant-in-aid	×××	By Conveyance	×××
To Legacies	×××	By Newspapers and Periodicals	×××
To Specific Donations	×××	By Purchases of Assets	×××
To Sale of Investments	×××	By Purchase of Investments	×××
To Sale of Fixed Assets	×××	By Balance c/d :	
To Life membership fees	×××	Cash in Hand	×××
To Entrance fees	×××	Cash at Bank*	×××
To Receipts on account of specific purpose funds	×××		
To Interest on specific funds/ investments	×××		
To Balance b/d (Bank Overdraft)*	×××		
	×××××		×××××

नोट–* यहाँ दो में से कोई एक राशि ही आयेगी 'Cash at Bank' या 'Bank Overdraft', दोनों नहीं आयेंगी।

(2) आय और व्यय खाता
(Income and Expenditure Account)

प्राप्ति एवं भुगतान खाता वर्ष के अन्त में रोकड़ शेष दर्शाता है परन्तु संस्था की वास्तविक लाभ-हानि को नहीं दर्शाता है तथा इससे संस्था की आर्थिक स्थिति का भी पता नहीं लग पाता है। इसी कारण अलाभकारी संस्थायें लेखा वर्ष या वित्तीय वर्ष के अन्त में आय और व्यय खाता तैयार करती हैं।

प्राप्ति एवं भुगतान खाते में सभी प्रकार की प्राप्तियाँ व भुगतान (पूँजीगत व आयगत दोनों) दिखाये जाते हैं तथा इसमें समायोजन नहीं किये जाते हैं। इस कमी को दूर करने के लिए प्रत्येक अलाभकारी संस्था आय और व्यय खाता तैयार करती है। यह खाता लाभ–हानि खाते के समान होता है। इसमें सभी बकाया व अग्रिम आय–व्यय तथा ह्रास आदि का समायोजन किया जाता है। इस खाते को प्राप्ति व भुगतान खाते की सहायता से बनाया जाता है।

आय-व्यय खाते की विशेषताएँ–

(1) इसमें केवल आयगत प्रकृति की मदें दिखाई जाती हैं।

(2) इसके डेबिट पक्ष में खर्चे व हानियाँ तथा क्रेडिट पक्ष में आय व लाभ दिखाये जाते हैं।

(3) इसमें केवल एक निश्चित अवधि की आय व व्ययों का लेखा किया जाता है चाहे वे प्राप्त हुई हों या नहीं अथवा भुगतान किया या न किया हो।

(4) यह उपार्जन अवधारणा पर बनाया जाता है।

(5) इसमें कोई प्रारम्भिक शेष नहीं होता है तथा इस खाते की अन्तर की राशि आधिक्य/न्यूनता दर्शाता है जिसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में पूँजी कोष में जोड़ा या घटाया जाता है।

आय और व्यय खाते का प्रारूप

Proforma of Income and Expenditure Account

Dr. for the year ending ..... **Cr.**

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To All Revenue Expenses Paid	.....	By All Revenue Income received	.....
Add : All revenue expenses payable (relating to current year)	.....	*Add* : All Revenue Income Receivable (relating to current year)	.....
	.....		.....
Less : Revenue expenses paid in advance (for the future)	.....	*Less* : Income received in advance (for the future)	.....
	.....		.....
Less : Revenue expenses paid for the past	.....	*Less* : Income received for the past	.....
To Excess of Income over Expenditure (Profit) or Surplus	.....	By Excess of Expenditure over Income (Loss) or Deficit	.....
	.....		.....

प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अन्तर—प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय और व्यय खाते में अनेक अन्तर पाये जाते हैं जो कि उनकी प्रकृति तथा दोनों विवरणों का प्रमाण होते हैं। प्राप्ति एवं भुगतान खाता में दोनों पूँजी और आगम प्राप्ति एवं भुगतान जो कि किसी भी लेखा अवधि से सम्बन्धित हों, लिखे जाते हैं जबकि आय और व्यय खाते में केवल आगम मदें जो कि चालू लेखा वर्ष से सम्बन्धित होती हैं, को प्रलेखित किया जाता है। आय और व्यय खाते में गैर–रोकड़ मदें जैसे स्थायी परिसम्पत्तियों पर ह्रास और बकाया आय और व्यय भी दर्शाए जाएँगे लेकिन प्राप्ति और भुगतान खाते में इनको शामिल नहीं किया जाएगा। प्राप्ति एवं भुगतान खाता एक आरम्भिक शेष रखता है जबकि आय और व्यय खाता यह नहीं रखता। प्राप्ति एवं भुगतान खाते का अन्तिम शेष, अन्तिम तिथि पर रोकड़ और बैंक शेष दर्शाता है जबकि आय और व्यय खाते संस्थान की गतिविधियों से आधिक्य या घाटा को प्रदर्शित करते हैं।

(3) तुलन पत्र/चिट्ठा
(Balance Sheet)

अलाभकारी संस्थाओं को भी अपनी वित्तीय स्थिति का निर्धारण करने के लिए व्यापारिक फर्मों की तरह तुलन पत्र तैयार करना होता है। यह वर्ष के अन्त में परिसम्पत्तियों और दायित्वों को दर्शाता है। अलाभकारी संस्थाओं में तुलन पत्र बनाने हेतु गत वर्ष का तुलन पत्र, चालू वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा अन्य सूचनाएँ उपलब्ध रहती हैं। इसके आधार पर तुलन पत्र बनाने के नियम निम्नलिखित हैं—

परिसम्पत्तियाँ पक्ष (Assets Side)–

(1) प्राप्ति एवं भुगतान खाते से अन्तिम रोकड़ शेष एवं बैंक शेष को ज्ञात कर उसे तुलन पत्र में परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिये।

(2) अन्य सम्पत्तियों के लिए सबसे पहले गत वर्ष के तुलन पत्र से सम्पत्तियों की सूची बनाकर यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या चालू वर्ष में कोई पुरानी सम्पत्ति बेची गई है अथवा कोई नई सम्पत्ति खरीदी गई है। रोकड़ में बेची गई सम्पत्ति का विवरण 'प्राप्ति एवं भुगतान खाते' के डेबिट पक्ष से ज्ञात किया जाता है। सम्पत्ति बेचने की स्थिति में गत वर्ष के तुलन पत्र में दिखाई गई सम्पत्ति के शेष में से बेची गई सम्पत्ति का पुस्तक मूल्य घटाना चाहिए। यदि चालू वर्ष में कोई सम्पत्ति खरीदी गई है तो गत वर्ष के तुलन पत्र में प्रदर्शित सम्पत्ति के मूल्य में खरीदी गई सम्पत्ति का मूल्य जोड़ देना चाहिए। चालू वर्ष में खरीदी गई सम्पत्ति का विवरण 'प्राप्ति एवं भुगतान खाते' के क्रेडिट पक्ष से अथवा अन्य सूचनाओं से ज्ञात किया जा सकता है। इन सभी समायोजनों का ध्यान रखकर सम्पत्ति की राशि को तुलन पत्र के सम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए। सम्पत्ति के विक्रय से लाभ-हानि (विक्रय मूल्य - पुस्तक मूल्य) को आय और व्यय खाते में दर्शाना चाहिए।

(3) यदि गत वर्ष के तुलन पत्र में बकाया आमदनी यथा-दान, चन्दा, किराया आदि के सम्बन्ध में कुछ समायोजन दिखाये हुए हैं तो यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या वास्तव में चालू वर्ष में उक्त आय प्राप्त हो गई है। संस्था की रोकड़ बही से यह पता लगाया जा सकता है। यदि चालू वर्ष में गत वर्ष की बकाया आय वसूल नहीं हो पाई है अथवा आंशिक राशि वसूल हो पाई है तो जितनी राशि वसूल नहीं हुई है, उसे चालू वर्ष के तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाया जायेगा।

(4) चालू वर्ष से सम्बन्धित बकाया या उपार्जित आय (Accrued Income) की राशि भी अतिरिक्त सूचनाओं से ज्ञात करनी चाहिए तथा उसको परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।

(5) पूर्वदत्त व्ययों (Prepaid Expenses) के अन्तिम शेष को भी अतिरिक्त सूचनाओं से ज्ञात करना चाहिए तथा तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।

दायित्व पक्ष (Liabilities Side)–

(1) अलाभकारी संस्थाओं का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता है। अत: व्यापारिक संस्थाओं की तरह इनका निर्माण पूँजी के साथ नहीं होता है। लेकिन ये संस्थाएँ धीरे-धीरे अपनी आय की बचत से कुछ स्थायी सम्पत्ति प्राप्त कर लेती हैं और इस प्रकार से अपनी पूँजी का निर्माण कर लेती हैं जिसे संस्था का पूँजी कोष (Capital Fund) कहते हैं। प्रश्न में प्रारम्भिक पूँजी कोष न होने पर इसे निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है–

प्रारम्भिक पूँजी कोष = वर्ष के प्रारम्भ की कुल सम्पत्तियाँ – वर्ष के प्रारम्भ में कुल दायित्व

अन्तिम पूँजी कोष = प्रारम्भिक पूँजी कोष + आधिक्य - घाटा

(2) यदि गत वर्ष के तुलन पत्र/चिट्ठे में बकाया व्ययों से सम्बन्धित दायित्व है तो यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या ऐसे दायित्वों का भुगतान किया जा चुका है। रोकड़ बही के क्रेडिट पक्ष से इसका पता लगाया जा सकता है। यदि कोई दायित्व (जैसे-बैंक खर्चे व अनुपार्जित आय का अन्तिम शेष) शेष रह गये हैं तो ऐसे दायित्वों को चालू वर्ष के तुलन पत्र/चिट्ठे में दायित्व पक्ष की तरफ दिखाया जाता है।

(3) गत वर्ष के तुलन पत्र के दायित्व पक्ष पर कुछ ऐसी मदें भी हो सकती हैं जो पूर्व प्राप्त आय (अर्थात् चालू वर्ष से सम्बन्धित आय जो गत वर्ष में प्राप्त हो गई है) से सम्बन्धित हो तो उसे गत वर्ष के तुलन पत्र में दायित्व पक्ष